खबर संक्षेप

युवा-संगम मेला का आयोजन 15 जुलाई को

मण्डला। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियों (उम्र 18-35 वर्ष एवं योग्यता- कक्षा 8वीं से स्नातक एवं आई.टी.आई उत्तीर्ण) को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु युवा-संगम मेला का आयोजन 15 जुलाई को नगरपालिका मण्डला के टाउनहॉल में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, आईटीआई मण्डला एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। इच्छुक आवेदक रोजगार मेले में अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार पंजीयन एवं अन्य दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

विशेष पेंशन प्रकरण के निराकरण हेतु शिविर 11 तक

मण्डला। 30 जून 2025 तक सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 11 जुलाई तक विशेष पेंशन प्रकरण के निराकरण हेतु शिविर का आयोजन जिला पेंशन कार्यालय मंडला में किया जा रहा है। समस्त संबंधित आहरण संवितरण अधिकारी स्थापना लिपिक के साथ शिविर में उपस्थित होकर लम्बित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

सुरेश कार्तिकेय का दुखद निधन

भुआबिछिया। ग्राम पंचायत देई के पूर्व उपसरपंच, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी सुरेश कार्तिकेय का ईलाज के दौरान गोंदिया महाराष्ट्र में अभी निधनं हो गया है। अंतिम संस्कार कल उनके ग्राम देई में होगा।

आमानाला वायपास में बहे एक बाईक सवार का अभी तक पता नहीं

झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित, घरों में घुसा पानी

*** अतिक्रमण की अनदेखी ने बढ़ाई समस्या, जनता का नपा पर फूटा गुस्सा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सोमवार शाम से रात तक हुई भारी बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। शहर के 24 वार्डों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया, जिससे घरों व दुकानों में पानी घुस गया। वहीं शहर से करीब 4 किमी दूर आमानाला वायपास पर बाईक में सवार 3 युवक तेज बहाव में बह गए। ये तीनों युवक पदमी पीपरपानी की ओर से आमानाला वायपास आ रहे थे इन्हें बिलकुल भी जानकारी नहीं थी कि वायपास इस तरह बाढ़ की स्थिति है हमेंशा की तरह वे लोग बाईक से जा ही रहे थे कि तेज बहाव में पहले तो बाईक अनियंत्रित होकर बही जिसके साथ दो युवक भी बहते चले गये तीसरा युवक जैसे-तैसे पानी में से चलकर बाहर आया जिसे वहां खड़े अन्य लोगों ने बचाया लेकिन दो युवक पानी की तेज धार में बह गये रात्रि 2 बजे पुलिस अधीक्षक ने पुष्टि की कि एक व्यक्ति को खुद ही बाढ़ से बच गया लेकिन दो अब तक लापता है। बारिश के चलते उसकी मोटरसाइकिल भी बह गई। लगातार बारिश से रेस्क्यू टीम को भी कार्य में मुश्किलें आ रही थीं सुबह रेस्क्यू के दौरान मोटर सायकल तो मिल गई और यह भी सूचना मिली कि दूसरा युवक सकुशल बच गया है लेकिन तीसरे युवक की खबर लिखे जाने तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई उसकी खोज अभी की जा रही है।

नगर में पानी का ताण्डव

सड़कों एवं घरों में घुसे पानी को कुछ स्थानों पर देर रात जेसीबी की मदद से दीवार गिराकर पानी निकासी की व्यवस्था की गई, फिर भी हालात नहीं संभले। लोगों का गुस्सा रात में ही नगर प्रशासन पर फूट पड़ा।जनता का आरोप है कि पूर्व में नगर पालिका ने बड़े नाले का निर्माण किया था, लेकिन कुछ दुकानदारों ने उस पर अतिक्रमण कर फुटपाथ बना लिया। जिससे बारिश में पानी निकासी बाधित हो रही है। जब भी प्रशासन नाले की सफाई का प्रयास करता है, जनप्रतिनिधियों द्वारा अतिक्रमणकारियों को बचाया जाता है।

लगातार बारिश के पूर्व ही प्रशासन ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की थी, लेकिन अतिक्रमण और जनप्रतिनिधियों की शह से हालात बेकाबू हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन के प्रयास भी सीमित हो जाते हैं, यह भी एक विचारणीय पहलू है।

सुभाष वार्ड में बारिश से जलमग्न हुई सड़कें

सुभाष वार्ड दुर्गा मंदिर के सामने वाली रोड़ पर मोहल्ले में विगत वर्षों से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। इसके बावजूद नगरपालिका प्रशासन की अनदेखी से यह समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। 07 जुलाई 2025 को शाम को हुई तेज बारिश ने मोहल्ले में तबाही मचा दी।

बारिश के चलते पूरे सड़क पर पानी भर गया, जिससे मोहल्ले के लोग परेशान हो गए। स्थिति तब और खराब हो गई जब नालियों का गंदा पानी घरों में घुस गया, जिससे लोगों का घरेलू सामान खराब हो गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर साल बरसात के मौसम में यही हालात होते हैं, लेकिन नगरपालिका या जिला प्रशासन द्वारा कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

मोहल्लेवासियों की जिला प्रशासन से अपील है कि इस समस्या का गंभीरता से संज्ञान लिया जाए और मोहल्ले में जल निकासी की समुचित व्यवस्था हेतु तत्काल आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि भविष्य में सुभाष वार्ड के लोगों को इस प्रकार की परेशानी से निजात मिल सके।

एसडीईआरएफ की टीम ने किया दो दर्जन लोगों को रेस्क्यू

मंडला में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते नदियाँ ऊफान पर हैं। निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति निर्मित हो रहा है। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने अतिवृष्टि और बाढ़ से निपटने के लिए दलों को तैयार रहने के लिए निर्देश दिए गए हैं। कल देर शाम जिला कंट्रोल रूम को जगनाथर गाँव में मटियारी नदी की बाढ़ में दो दर्जन से ज्यादा लोगों के फंसे होने की सूचना मिली। प्रशासन के संज्ञान में आते ही डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड और एसडीईआरएफ का दल मौके के लिए रवाना किया गया। टीम ने प्लाटून कमांडर हेमराज परस्ते ने नेतृत्व में राहत के लिए रात के अंधेरे में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और देर रात तक फंसे हुए सभी ग्रामीणजनों को सुरक्षित बाहर लाया गया। राहत एवं बचाव दल में सैनिक सन्नी श्रीवास, टेकचंद, सुरेंद्र, राजेंद्र, श्याम बिहारी और रामप्रसाद की भूमिका रही।

एसडीएम मण्डला ने किया बाढ़ प्रभावित ग्रामों में आश्रय स्थलों का निरीक्षण.......

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में सभी राजस्व अधिकारियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया है। इसी क्रम में एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम ने मण्डला जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत खड़देवरा एवं औघटखपरी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों के लोगों से मुलाकात की। बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों पर रखा गया है। एसडीएम ने राहत शिविरों पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बाढ़ का पानी कम होने तक लोगों से सुरक्षित स्थानों पर ही रहने की समझाइश दी। इस अवसर पर एसडीओ श्री आदित्य पाण्डे, हल्का पटवारी, संबंधित पंचायत के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और कोटवार उपस्थित रहे।

ग्राम भंवरदा की नल जल योजना का किया गया भौतिक सत्यापन

*** एसडीएम के निर्देश पर दल ने किया वेरिफिकेशन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में गठित टीम द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत भंवरदा में ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नल जल योजना का भौतिक सत्यापन किया गया। योजना के तहत ग्राम में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु निर्मित 50 हजार लीटर की उच्च स्तरीय टंकी 20 हजार लीटर का सम्पवेल एवं 2 ट्यूबवेल का वेरिफिकेशन किया गया। साथ ही लाभान्वित परिवारों से बातचीत की गयी। ग्रामीणों ने बताया कि नल जल योजना के माध्यम से प्रतिदिन प्रातः 8 बजे एवं शाम को 7 बजे नल चालक द्वारा शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जा रहा है एवं समय समय पर पानी जांच समिति की महिलाओं द्वारा की जा रही है। साथ ही जांच कर क्लोरिनेशन का कार्य भी किया जाता है। योजना के सुचारू रूप से संचालन, संधारण हेतु गठित जल समिति द्वारा प्रतिमाह 100 रुपए प्रति कनेक्शन जलकर एकत्रित किया जाता है। भ्रमण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से सहायक यंत्री विनेश उईके उपयंत्री संजू मरकाम पीएमयू से उमा गणेश लोधी उपस्थित रहे।

आओ वृक्ष लगाएं धरती का कर्ज चुकाएं, उत्कृष्ट विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित........

मण्डला। धरती को हरितिमा की चादर उढ़ाने के महत्वाकांक्षी अभियान एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला पौधे रोपित किए गए। प्राचार्य कल्पना नामदेव ने वृक्षारोपण कर छात्रों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया। छात्रों से आग्रह किया कि कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। ईको क्लब जिला प्रभारी अखिलेश उपाध्याय ने वृक्षों रक्षति रक्षतः के भारतीय मूल्यों को बतलाते हुए पौधारोपण और संरक्षण की तकनीक व महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजन में शिक्षक विपिन लखेरा, नत्थू सिंह घोषि, नागेंद्र चौहान एवं प्रवीण अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के एनएसएस, ईको क्लब व एनसीसी के छात्रों के उक्त आयोजन में सहभागिता की। अवगत होवे कि संस्था प्रांगण में विविध फलदार व पुष्प के पौधों का रोपण किया गया है।

सावन माह में कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा हेतु मंडला पुलिस द्वारा एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सावन माह के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के अंतर्गत पैदल यात्रा करते हुए जिले के राजमार्गों एवं प्रमुख मार्गों से गुजरते हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में मंडला पुलिस द्वारा वाहन चालको हेतु एडवाजरी जारी कर जिलेभर में विशेष जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है।

इस अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों-कोतवाली मंडला, नैनपुर, बम्हनी, घुघरी, मवई, मोतीनाला, बीजाडांडी, टिकरिया, निवास, यातायात थाना, मोहगांव, बिछिया तथा चौकी अंजनिया सहित अन्य पुलिस इकाइयों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में बैनर एवं पोस्टर लगाकर वाहन चालकों से अपील की जा रही है कि वे सावधानीपूर्वक एवं नियंत्रित गति से वाहन चलाएं तथा पैदल चल रहे कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

बैनर एवं पोस्टर मुख्यतः थाना क्षेत्रों के प्रमुख मार्गों, पेट्रोल पंपों, चौराहों, ढाबों एवं अन्य जनसंचारी स्थलों पर लगाए गए हैं, ताकि अधिकतम लोगों तक सुरक्षा संदेश पहुंचाया जा सके।

प्रशिक्षण | **बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।**

तीनों विधानसभाओं में लगभग 132 बीएलओ हुये प्रशिक्षित

*** आगामी प्रशिक्षण 16 जुलाई तक होंगे आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

बूथ लेवल ऑफिसर्स के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र स्तर पर बी.एल.ओ. का प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित हुआ। जिला मण्डला की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 105 बिछिया (अ.ज.जा) के अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 1 से 41 तक बीआरसी भवन सभा कक्ष घुघरी एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 269 से 304 तक मॉडल हाईस्कूल मवई कुल 77 बीएलओ का प्रशिक्षण एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 106-निवास (अ.ज.जा) के अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 1 से 35 तक कुल 35 बीएलओ का प्रशिक्षण जनपद सभाकक्ष बीजाडांडी में और विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 107 मण्डला (अ.ज.जा), के अंतर्गत मतदान केन्द्र क्रमांक 202 से 249 तक आरडीपीजी कॉलेज मण्डला का ऑडीटोरियम व 47 से 75 तक एवं 250 से 270 तक शास. उत्कृष्ट विद्यालय नैनपुर का मीटिंग हॉल एवं 126 से 151 तक एवं 271 से 278 तक नगर परिषद बम्हनी बंजर का मीटिंग हॉल में आयोजित किये गए। मंगलवार को संपन्न हुए प्रशिक्षण सत्रों में कुल 132 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। अब तक मण्डला जिले की तीनों विधानसभाओं में कुल 244 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों (बिछिया, निवास एवं मण्डला) के आगामी प्रशिक्षण 16 जुलाई 2025 तक पृथक-पृथक तिथियों में आयोजित किये जायेंगे।

सोमवार की रात से शुरू हुई घनघोर बारिश ने मचाया कोहराम

नर्मदा नदी के झिकोली व ककरा घाट पुल के ऊपर हुआ पानी, शहर की अनेक कॉलोनियों में लोगों के घरों के अंदर पानी घुसने से परेशानी

नगर के झंडाचौक सहित शिवालय की सड़को ने लिया नाले का स्वरूप...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

सांईखेड़ा। बारिश को लेकर मौसम विभाग द्वारा पहले ही अलर्ट किया जा राह है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि आषाढ़ माह की बिदाई बेला मेघ जिस प्रकार से अपना रूप दिखाते हुये सावन की झड़ी का अहसास दिलाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर जिस तरह से बीते हुये सोमवार मंगलवार की देर रात बारिश ने तेज हवा व गरज चमक के साथ गति पकड़ी उससे यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा था कि मानों अब बादल ही फट गये है। सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात से मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार जिस तरह तेज हवाओं के बीच बारिश का दौर शुरू हुआ कि चारों ओर कोहराम मचाने में कोई कसर नही छोड़ी गई। हालत इस तरह देखने मिल कि रात के समय से ही जिस तरह तेज हवा की शुरूआत हुई तो क्षेत्र में अनेक जगहों पर पेड़ गिरने के कारण बिजली लाईने टूट गई तो दूसरी ओर नगर में भी बारिश के दौरान बिजली की आंख मिचौली देखने मिली। इस तरह लगातार हो रही बारिश के चलते नर्मदा नदी में बाढ़ के हालत इस तरह से देखने मिल रहे है कि समीपस्थ सांईखेड़ा क्षेत्र के झिकोली नर्मदा नदी पर बना हुआ पुल डूब जाने के कारण नरसिंहपुर व रायसेन जिले का संपर्क टूट गया है। वही दूसरी ओर नर्मदा किनारे बसे हुये निचले इलाकों में अनेक जगहों पर पानी भरने की खबरे मिल रही है। इसी प्रकार से गाडरवारा से तेंदूखेड़ा की ओर जाने वाले ककरा घाट नर्मदा नदी पर बना हुआ पुल भी डूब जाने के कारण गाडरवारा व तेंदूखेड़ा का समर्क टूटा हुआ है। इस तरह लगातार हो रही बारिश व बर्गी डेम के गेट खोले जाने के कारण जहां नर्मदा नदी के जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी देखने मिल रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्र की प्रमुख नदियों में शक्कर, सीतारेवा, दुधी भी पूर्णरूप से अपने शबाव पर दिखाई देने से नही चूक रही है। इसके आलवा क्षेत्र के अन्य छोटी छोटी नदियों में कौड़िया महगंवा चिर्रिया के बीच डेली नदी में बाढ़ के चलते चिर्रिया व लिलवानी कोठिया के बीच बना हुआ पुल डूब जाने के कारण इन गांवों के लोगों का गाडरवारा से संपर्क टूटा हुआ है। इसी प्रकार से चीचली व गांगई के बीच सीतारेवा नदी पर बना हुआ पुल डूबने के कारण लोगों का चीचली से संपर्क टूटा हुआ है। इसी प्रकार का हाल चीचली क्षेत्र के ग्राम तूंदखेड़ा व रातीकरार के बीच देखने मिल रहा है जहां पर सीतारेवा नदी पर बना हुया रिपटानुमा पुल के ऊपर से पानी होने के कारण लोग आ जा नही पा रहे है। इसी तरह का हाल ग्राम खुलरी व बिलोनी के बीच सुखचेन नदी पर बने हुये पुल का देखा जा रहा है। इस तरह समाचार लिखे जाने तक यानि की मंगलवार की शाम बारिश पर तो विराम लग गया था जिसके चलते स्थानीय नदियों में जल स्तर कमते हुये दिखाई देने लगा था। मगर नर्मदा नदी में लगातार चल का स्तर बढ़ते हुये देखने मिल रहा था..? इस तरह लगातार हो रही बारिश के बीच लोगों के कच्चे मकानों के हालत तो इस तरह देखे जा रहे थें कि जहां लोगों की सीडन के चलते कच्ची दिवारे धराशाही होने से नही बच पा रही थी तो दूसरी ओर पक्के मकानों भी छत के बीच से टपकती हुई पानी की बूंदे लोगों को परेशान करने से नही चूक रही है। इस प्रकार से लगातार नर्मदा नदी में बढ़ रहे जल स्तर को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कोई दुर्भाग्य पूर्ण घटना को रोकने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में नजर रखने के लिये आदेश दिये गये थें। वही दूसरी ओर जिन पुलों के ऊपर से नदियों का पानी ऊपर चल रहा है उन पुलों से यातायात पूर्ण रूप से बंद किया गया था। मगर इसके बाद भी सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नर्मदा नदी के झिकोली पुल के ऊपर नर्मदाजी का पानी ऊपर होने के बाद भी यहां से मोटर साईकिल चालक खुलेआम पुल के ऊपर से जिस तरह बाइक निकालते हुये नजर आ रहे थें वह निश्चित तौर से चिंता जनक है। वही दूसरी ओर नगर की कालोनियों की सड़को पर बारिश के पानी को बहाव के लिये उचित प्रबंध नही होने के कारण वह लोगों के घरों में भरने से नही चूक रहा है। नगर के राजेन्द्र बाबू वार्ड में अनेक लोगों के घरों में पानी भरने के कारण लोगों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव, ग्राम इमालिया पिपरिया सहित सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है। इस तरह देखा जा रहा है कि चारो ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है तो दूसरी ओर मध्यम हवाओं व लगातार बारिश के चलते जहां तहां मुख्या मार्गो के किनारे लगे हुये पेड़ गिर जाने से क्षेत्र के अनेक गांवों का आपस में संपर्क टूटा हुआ दिखाई दे रहा था। इस तरह मुख्य मार्गो पर पेड़ गिरने की खबरों में गाडरवारा तहसील क्षेत्र में अनेक जगहों पर पर पेड़ गिरने के कारण समाचार लिखे जाने तक यहां पर यातायात व्यवस्था में परेशानी देखने मिली। वही दूसरी ओर बारिश को लेकर क्षेत्र में प्रशासन की टीम पूर्व अलर्ट स्थिति में देखी जा रही है जिसमें मुख्य रूप से अनुविभागीय अधिकारी कलावति व्यारे, तहसीलदार प्रियंका नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशखमुख सहित अन्य अधिकारियों द्वारा क्षेत्र में भ्रमण करते हुये वहां पर नजर रखे हुये है तो दूसरी ओर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा अपनी टीम के साथ शहर की शक्कर नदी पुल पर पेहरा देते हुये देखे गये। क्योंकि देखा जाता है कि जब शक्कर नदी में बाढ़ आती है उस दौरान जंगल क्षेत्र से नदी में बहकर आने वाली लकड़ी पकड़ने के लिये इस पुल के ऊपर लोगों द्वारा खड़े होकर लकड़ी पकड़ते है। इस स्थिति में यहां पर यातायात व्यवस्था में व्यवधान होने के साथ आम लोगों के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक पाता है। इस प्रकार से गाडरवारा का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटने के चलते लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। क्योंकि गाडरवारा करेली प्रदेश स्तरीय मार्ग पर ग्राम बंदेश्वर के पास पहले से ही पुलिया टूटने के कारण यह मार्ग बंद चल रहा है। मगर सोमवार की रात हुई बारिश के दौरान अन्य मार्गो से जो छोटे वाहन निकल रहे थें। मगर ग्रामीण नदियों में ऊफान पर होने के कारण अब पूर्णरूप से गाडरवारा क्षेत्र का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है।

प्रसव से पीड़ित महिला की जान बचाने धरती के भगवानों ने अपनी जिन्दगी लगाई दांव पर, नदी पार करते हुये वाहन के अंदर कराई महिला की डिलेवरी

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। निश्चित तौर से डाक्टरों को धरती के भगवान का नाम देने में किसी भी प्रकार से कोई संकोच नही किया जा सकता है..? क्योंकि निष्ठावान डाक्टर किसी मरीज की जिन्दगी बचाने के लिये अपने जीवन को दांव पर लगाने में पीछे नही रहता है..? इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम देवरी व झामर के बीच देखने मिली है। बताया जाता है कि बीते हुये सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात हुई घनघोर बारिश के चलते जहां सभी नदी नाले ऊफान पर चल रहे थें। इसी दौरान ग्राम देवरी निवासी एक महिला प्रसव से पीड़ित होने के चलते उसके परिवार जन प्रसव कराने के लिये एक चार पहिया वाहन से घर तो तो निकल पड़े मगर देखा कि देवरी झामर के बीच एक नाले पर बने हुये रिपटा के ऊपर बाढ़ का पानी होने की स्थिति में वह इस पार नही आ सकते थें। यदि चार पहिया गाड़ी को रिपटा के ऊपर से निकलने का प्रयास करते तो निश्चित प्रसव से पीड़ित महिला सहित अन्य की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक पाती। इस तरह वाहन चालक द्वारा अपने वाहन को रिपटा पुल के उस पार ही रोक दिया गया। इस बात की जानकारी जब चीचली ब्लाक स्वास्थ्य अधिकारी डा अनिल पटैल को लगी तो उनके द्वारा अपने स्टाफ के डा. कमलेश बाथरे, डा. फूल सिंह साहू तथा नर्स श्रीमति देवी साहू को मौके पर पहुंचाया गया। मगर उनके द्वारा देखा गया कि बाढ़ का पानी नाले के रिपटा के ऊपर से चल रहा है और पार करना मुश्किल है। मगर कहा जाता है कि निष्ठावान डाक्टरों के लिये अपनी जिन्दगी से अधिक प्यारी मरीज की जिन्दगी को बचाने की सोच रहती है। इसी के चलते इन डाक्टरों की टीम द्वारा प्रसव से पीड़ित महिला व जन्म लेने वाले शिशु की जान बचाने की सोच के चलते रिपटा पार करने के लिये देशी जुगाड़ बनाते हुये अपनी जान को दांव पर लगाते हुये उस पार पहुंचकर चार पहिया गाड़ी के अंदर ही महिला का सुरक्षित प्रसव कराते हुये जच्चा व बच्चा की जान बचाने में अहिम भूमिका निभाई गई। इस प्रकार से बाढ़ से चारों ओर घिरे हुये गांव देवरी की महिला द्वारा धरती के भगवान माने जाने वाले डाक्टरों की मदद से एक सुन्दर देवी स्वरूप बेटी को जन्म दिया गया। इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि इसलिये डाक्टरों को धरती का भगवान कहा जाता है जो दूसरे की जान बचाने के लिये अपनी जान को दांव पर लगाने में पीछे नही रहते है...?

लगातार हो रही बारिश के चलते गरीबों के आशियान होने लगे धराशायी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भले ही सरकार द्वारा गरीबों को पक्के आवास बनाकर दिये जा रहे है। मगर इसके बाद भी नगर में इस तरह के अनेक गरीब देखने मिल सकते है जिन्हें इस योजना का लाभ नही मिलने के कारण वह अपने कच्चे मकानों में रहते हुये जीवन यापन करने के लिये मजबूर होने के साथ हर साल बारिश का दौर शुरू होते हुये अपनी जिन्दगी को दांव पर लगाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि बीते हुये एक सप्ताह से लगातार चल रहे बारिश के कारण गरीबों के कच्चे मकान गिरने की शुरूआत हो चुकी है। इस बात की सच्चाई नगर के महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड में देखने मिली है। जहां पर बताया जाता है कि बीते हुये सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात हुई तेज बारिश के चलते उमा बाई कुर्मी पति मदन लाल कुर्मी का कच्चा मकान गिरने के कारण घर के अंदर रखी हुई जरूरी सामग्री खराब होने से नही बच पाई है। वह तो अच्छा हुआ कि यह घटना दिन के समय घटित हुई। यदि रात के समय घटित हुई होती तो निश्चित तौर परिवारजनों की जिन्दगी खतरे में पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था..? इस तरह बारिश के चलते गरीब का मकान करने के कारण प्रशासन सहित नगर पालिका के अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई जा रही है।

लेडी नदी पुल पर कीचड़ ही कीचड़, आये दिन फिसलकर गिर रहे वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

जहां एक ओर लोगों को अच्छी सुविधाए देने के लिए जहां तहां सड़को का निर्माण हो रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि पूर्व की बनी हुई सड़क जहां बदहाल स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसकी ओर न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ध्यान दे रहे है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारी। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत ग्राम सडूमर से कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि इस मार्ग पर सड़क का निर्माण कुछ समय पहले ही हुआ था और चंद दिनों में टूटना शुरू हो चुकी सड़क अपनी गुणवत्ता की कहानी कहने से नही चूक रही है। इतना ही नही इस मार्ग पर ग्राम महगंवा व चिर्रिया के बीच पड़ने वाली लेडी नदी पुल एवं सड़क मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ होने के कारण यहां से आने जाने वाले दो पहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे है और घायल हो रहे है। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस प्रकार से बदहाल हो रही सड़क नदी के पुल पर हो रही कीचड़ के चलते दिन में तो वाहन चालक जैसे तैसे पुल पार करके निकल जाते है, लेकिन रात्रिकालीन समय अधिकांश घटनाएं होती है,इस मार्ग से प्रतिदिन सडूमर, कौड़िया, सुपारी, देगुंवा, तिगवां, मंहगवा, नया गांव आदि ग्रामों के लोगों का आना जाना लगा रहता है, इसके आलवा क्षेत्र के छात्र छात्राओं द्वारा भी कौड़िया या गाडरवारा शिक्षा ग्रहण करने के लिए इसी मार्ग से आना जाना करते है जिनको यहां की नदी के पुल पर फैले हुए कीचड़ के साम्राज्य के चलते परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? अतः क्षेत्र के लोगों द्वारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साथ संबंधित अधिकारियों से सड़स सुधार के साथ साथ पुल की मिट्टी हटवाये जाने की मांग की गई है।

सालीचौका क्षेत्र में चल रहे घनघोर बारिश के कारण

सहावन स्कूल बना तालाब, कमरों में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

लम्बे अंतराल के बाद आषाढ़ माह में जिस तरह मेघ अपना रौद्र रूप दिखाते हुये नजर आ रहे है कि उसके चलते अब बारिश का कोहराम लोगों के लिये परेशानी बनने से नही चूक पा रहा है। वैसे तो देखा जावे कि आषाढ़ माह में हर साल किसान बारिश का इंतजार करते हुये देखे जाते थें। क्योंकि आषाढ़ माह में बारिश होने के कारण किसानों के खेतों में बोनी करने के लिये अच्छा माना जाता है और आषाढ़ की बारिश पर ही किसानों की किस्मत का परिणाम आता है। मगर इस साल जिस तरह आषाढ़ माह में बारिश का दौर शुरू हुआ है वह अब रूकने का नाम नही ले रहा है। इस तरह किसानों द्वारा अपने खेतों में लगाई गई सोयावीन की फसल पर अधिक बारिश के चलते विपरित असर दिखाई देना शुरू हो गया है तो जिन किसानों को अपने खेतों में धान की फसल लगाना है उसमें भी व्यवधान पैदा होने से नही चूक रहा है। क्योंकि लगातार हो रही घनघोर बारिश के कारण जहां बाढ़ की स्थिति निर्मित होने के कारण लोगों का एक दूसरे गांवों से संपर्क टूटते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर बीते हुये बीते हुये सोमवार मंगलवार की दरम्यानी रात जिस तरह मेघो ने अपना रौद्र रूप दिखाते हुये देर रात तंडाव मचाया गया है उसके चलते चारो ओर हाँ हाकार की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पाई है। बताया जाता है कि सोमवार की देर रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते क्षेत्र के अनेक छोटे बड़ी नदियों में बाढ़ आने के कारण लोगों के एक दूसरे गांव से संपर्क टूटे हुये नजर आने से नही चूक रहे थें तो दूसरी ओर स्कूली छात्र छात्राये भी गांवों से शहर अपनी पढ़ाई करने के लिये नही पहुंच पा रहे थें। इस बात को ध्यान में रखते हुये जहां जिला कलेक्टर द्वारा 8 एवं 9 जुलाई के लिये सभी शासकीय व निजी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। इस तरह सोमवार की रात हुई बारिश के चलते नगर सहित आसपास के अनेक गांवों में पानी बहाव के उचित प्रबंध नही होने के कारण लोगों के घरों में पानी भरते हुये देखा जा रहा है। समीपस्थ ग्राम सहावन का हाल तो इस तरह बना हुआ है कि मानों पूरा गांव किसी नदी के बीच में पहुंच गया हो..? क्योंकि अनेक लोगों के घरों में पानी भरा हुआ देखा जा रहा है। वही नगर के शासकीय स्कूल परिसर ने जहां पूर्णरूप से तालाब का रूप धारण करते हुये बच्चों के पढ़ाई करने वाले कमरों में भी प्रवेश करते हुये अपनी आगोश में लेने के कारण जिन कमरों में अनेक प्रकार के पढ़ाई संबंधी चार्ट व वोर्ड लगे हुये है वहां पर अब पानी ही पानी नजर आने से नही चूक रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि मान लिया जावे की बारिश का दोर थम जाता है। मगर इसके बाद भी इस शिक्षण संस्था में बच्चों की पढ़ाई के लिये सही स्थिति बनने में एक सप्ताह से अधिक का समय लगने से नही चूक पायेगा। क्योंकि जहां शाला परिसर गंदगी से बज बजा गया है तो दूसरी ओर स्कूल के कमरों में सीढ़न होने के कारण बच्चों को बैठने में परेशानी होने के साथ बीमारी की गिरप्त में आने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...?

विकास की बाट जोहते हुए क्षेत्र के अनेक गांवों में बारिश के दौरान पहुंचना हो जाता है मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/ सिंहपुर छोटा।

भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा हर वर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए देश से लेकर प्रदेश व शहरों से लेकर गांवों का विकास कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है और आये दिन नेताओं को भी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने की बात कहते हुए सुना जाता है, मगर इसके बाद जब विकास की सच्चाई पर गौर किया जाता है तो संपूर्ण सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है, जब ग्रामीणों को कीचड़ के बीच से गुजरकर अपने घरों को जाने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों की देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि चीचली से चंद कदम दूरी पर स्थित इस प्रकार को पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क का आभाव होने के कारण जरा सी बारिश के चलते लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि क्षेत्र के अनेक गांवों के मार्ग की इस समय जिस प्रकार की स्थिति देखी जा रही है कि उस पर वाहन चलना तो दूर की बात पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इस प्रकार से इन मार्गो पर मची हुई कीचड़ क्षेत्र के विकास की सच्चाई का आईना बताने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां सरकार द्वारा आम लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें किसी भी विषम परिस्थिति में मरीजो के लिए गांव से लाने के लिए शासन की 108 सेवा वही सुरक्षा के लिए पुलिस की 100 सेवा जो जरूरत पड़ने में 10 मिनिट के अंदर गांव पहुंचने की बात कही जाती है अब इस प्रकार से कीचड़ युक्त मार्गो के माध्यम से क्या ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही इन सेवाओं का लाभ मिल पायेगा? इतना ही नही अनेकोबार देखा जाता है कि जब इस प्रकार के गांवों में कोई व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है तो उसे शहर तक लाना भी मुश्किल हो जाता है? क्या इसी को विकास कहते है? इस प्रकार की सच्चाई सिर्फ इसी गांव की नही बल्कि क्षेत्र के अन्य गांवों में भी आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर जरा सी बारिश होने के बाद लोगों को अपने गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

आम सूचना

निम्मा बाई यादव पति दर्शन सिंह यादव निवासी ग्राम आमगांव छोटा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर म. प्र. द्वारा शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये बताया है कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूँ। यह है कि मैं शपथकर्ता के पति के नाम से एक ट्रेक्टर जिसका पंजीयन क्रमांक MP38-AB-9658 है। शपथकर्ता के पति दर्शन सिंह यादव का स्वर्गवास दिनांक 06.09.2023 को हो गया है। शपथकर्ता द्वारा पति के नाम से दर्ज उक्त वाहन के संबंध में जिला परिवहन कार्यालय नरसिंहपुर में वाहन ट्रासफर हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में कार्यालय द्वारा 07 दिवस के भीतर दावा आपत्ति पर विचार उपरांत ट्रासफर की कार्यवाही संचालित की जावेगी। यदि इस पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह निर्धारित दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकता है। तिथि उपरांत विचार नही किया जावेगा।

शपथ कर्ता
निम्मा बाई यादव पति दर्शन सिंह यादव
ग्राम आमगांव छोटा, तह. गाडरवारा
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

खबर संक्षेप

हाथियों का झुंड अनूपपुर लौटा, दस घरों को किया है क्षतिग्रस्त

डिण्डौरी। जिले के डिंडौरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत भंवरखंडीए पौंडी और अखडार के जंगलों में एक सप्ताह से डेरा जमाए हाथियों का झुंड सोमवार की सुबह वापस अनूपपुर जिला लौट गया। बताया गया कि हाथियों ने कुल दस घरों को क्षतिग्रस्त किया है। डीएफओ पुनीत सोनकर ने बताया कि आठ प्रभावित लोगों का मुआवजा स्वीकृत हो चुका हैए दो लोगों का प्रकरण तैयार किया जा रहा है। बताया गया कि जोहिला नदी में बाढ के चलते हाथियों का झुंड वापस नहीं जा पा रहा था। यह पहली बार हैए कि हाथियों का झुंड बारिष के मौसम में जिले की सीमा में पहुंचा है। प्रभावित गांवों के बसाहट क्षेत्र में प्रवेष कर हाथियों ने कच्चे मकान क्षतिग्रस्त करते हुए अंदर रखा राषन खाया है। बारिष के मौसम में घर टूटने से ग्रामीणों की समस्या भी बढ गई है। वन परिक्षेत्र अधिकारी सुदीप मिश्रा लगातार वन अमले के साथ प्रभावित क्षेत्र में सक्रिय थे। उनके द्वारा रात में भी प्रभावित गांव जाकर ग्रामीणों को समझाईष देने के साथ सुरक्षित स्थान पर पहुंचवाने की पहल की गई। गौरतबल हैए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने पक्के मकानों में भी लोगों की जान बच पाई।

आकाशीय बिजली गिरने से अधेड़ की हुई मौत

डिंडौरी। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सारसताल गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने पंचनामा बनाकर मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक फूल सिंह पिता जिया लाल तेकाम उम्र 45 वर्ष महावीर टोला सारसताल घर का छप्पर सुधार रहा थाए उसी दौरान अचानक तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिर गईए जिसकी चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गई। शाहपुर पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पीएम करा शव परिजनों को सौंप दिया है।

अमरकंटक में राष्ट्र संत चिन्मयानंद बापू की सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर विश्व कल्याण मिशन ट्रस्ट शाखा बिलासपुर के तत्वावधान में राष्ट्र संत परम पूज्य चिन्मयानंद बापू जी महाराज द्वारा सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन नगर परिषद कार्यालय के समीप स्थित मेला मैदान में विशाल पंडाल में किया जा रहा है। कथा का विधिवत शुभारंभ आज शाम 4 बजे पूज्य बापू जी के सान्निध्य में मंत्रोच्चार, वेदपाठ और धार्मिक विधियों के साथ हुआ। इससे पूर्व एक भव्य कलश यात्रा एवं शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, ढोल-ताशे और भजन-कीर्तन के साथ निकाली गई।

खरमेर नदी पर निर्माणाधीन पुल बना ग्रामीणों की मुसीबत का कारण

3 साल में 3 पिलर! अधूरे पुल ने रोका विकास का रास्ता

अमरपुर। शासन भले ही ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क और पुल जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए योजनाएं बना रहा होए लेकिन अमरपुर क्षेत्र में इन योजनाओं का हाल जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। डिंडौरी.अमरपुर मार्ग पर खरमेर नदी में बन रहा पुल विगत 3 वर्षों से अधूरा पड़ा है। तीन वर्षों में सिर्फ तीन पिलर बने हैं।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या विभाग ने इस पुल को बनाने का ठेका किसी अगली पंचवर्षीय योजना तक बढ़ा दिया हैघ। बारिश के दिनों में ग्रामीणों को स्टाफ डेम से होकर गुजरना पड़ता हैए जो थोड़ी सी बारिश में जलमग्न हो जाता है। इस कारण आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है और अमरपुर का संपर्क डिंडौरी से टूट जाता है।

इससे न केवल छात्र स्कूल.कॉलेज नहीं पहुंच पाते बल्कि कार्यालयों में अधिकारी और कर्मचारी भी अनुपस्थित रहते हैं। उपतहसील कार्यालय का कार्य भी प्रभावित होता है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही और निर्माण एजेंसी की निष्क्रियता से सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कार्य में तेजी लाई जाए और पुल निर्माण शीघ्र पूर्ण किया जाएए ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके।

कीचड़ से पटी राहों पर फंसे ग्रामीण स्कूल और अस्पताल तक पहुँचना बना चुनौती

डिंडौरीए शहपुरा। ग्राम पंचायत संग्रामपुर अंतर्गत ररिया टोला के ग्रामीण बरसात में कीचड़ भरे रास्तों के कारण गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को जनसुनवाई में दर्जनों ग्रामीणों ने आवेदन सौंपते हुए कच्चे आम रास्ते के बदतर हालात का जिक्र किया और शीघ्र पक्की सड़क निर्माण की मांग उठाई।

ग्रामीणों के अनुसार ररिया टोला मुख्य मार्ग से लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित हैए जहां लगभग 300 की आबादी निवास करती है। बरसात के दौरान कच्चे रास्ते में गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से दो से ढाई फीट तक कीचड़ हो जाता है जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इससे न केवल आमजन का आवागमन प्रभावित हुआ हैए बल्कि स्कूली बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य सेवाएं भी ठप पड़ गई हैं। 108 एंबुलेंस सेवा भी कीचड़ भरे रास्ते के कारण टोला तक नहीं पहुंच पाती। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा कई बार प्रस्ताव पारित किए जाने के बावजूद अब तक सड़क निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ररिया टोला को मुख्य मार्ग से जोड़ने हेतु शीघ्र अस्थाई एवं फिर स्थायी सड़क निर्माण की व्यवस्था की जाएए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बरसात में आदिवासियों को उजाड़ने पर भड़का जन आक्रोश, जयस संरक्षक हीरालाल अलावा ने खोला मोर्चा

डिंडोरी ग्राम बरेंडा। विकासखंड करंजिया में वन विभाग द्वारा भारी बरसात के बीच आदिवासी परिवारों को बेदखल किए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में जयस ;जय आदिवासी युवा शक्तिद्ध संगठन ने करंजिया मुख्यालय में महाआंदोलन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। जयस संरक्षक और पूर्व विधायक हीरालाल अलावा ने मंच से कहा कि ष्प्रदेश में आदिवासियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से अत्याचार हो रहा है। बरसात के मौसम में गरीब आदिवासियों के आशियानों को उजाड़ देना अमानवीय है। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाईए पीड़ितों को मुआवजा और उन्हें पुनः बसाने की मांग की।

विरोध प्रदर्शन में ये प्रमुख नेता रहे शामिल

जयस प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम निवास के पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता डॉ अशोक मर्सकोले शहडोल से जयस उपाध्यक्ष शीतल टेकाम जिले के कई प्रमुख आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

क्या है मामला

वन विभाग ने हाल ही में ग्राम बरेंडा में 300 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी बारिश के बीच पुलिस बल के साथ पहुंचकर विभाग ने उनके घर तोड़ दिएए पुरुषों को बंधक बनाकर उमरिया ले जाया गया और अनुपस्थिति में खेतों को उजाड़ दिया गया। महिलाओं ने करंजिया थाने में मारपीट की शिकायत भी कीए जिस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। जयस ने चेताया कि अगर आदिवासियों को न्याय नहीं मिलाए तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारीए समस्त बीएमओ की उपसथित में मातृ स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य की समीक्षा की गईए जिसमें मातृ मृत्यु दरए शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए गुणवत्तापूर्वक स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने के निर्देश दिए। मातृ स्वास्थ्य के अंतर्गत गर्भवती पंजीयनए प्रथम तिमाही पंजीयन 4 एनसी चेक, उच्च जोखिम वाली महिलाओं का चिन्हांकन कर उनका उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ एनआरसी और एसएनसी पोषण पुर्नवास केंद्र में भर्ती एंव उनका फोलोअप करनाए बच्चों का टीकाकरण टीवी उन्मूलन कार्यक्रमए सिकल सेल एनीमीया कार्यक्रम असंचारी रोग कार्यक्रम हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर क्वालीटी एश्योरेन्स कार्यक्रम और पीण्पीण्पीण प्रोजेक्ट कार्यक्रम की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने स्वास्थ्य सेंवाओ में सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिये। ताकि आमजनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करायी जा सके। बैठक के दौरान जिला चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी श्री रमेश मरावीए सिविल सर्जन श्री अजय राजए डॉक्टर एवं समस्त विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रावासों की खामियों पर सख्त हुईं कलेक्टर नेहा मारव्या, सुधार के लिए दिए दिशा निर्देश

डिंडोरी। जिले के छात्रावासों की स्थिति पर गंभीरता दिखाते हुए कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में हाल ही में हुए छात्रावास निरीक्षण की रिपोर्टों के आधार पर व्यवस्थाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया गया। कलेक्टर ने भवनों की जर्जर हालतए पेयजल की कमीए भोजन की गुणवत्ता और साफ.सफाई में पाई गई खामियों पर चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षा में कोई कोताही नहीं चलेगी।

प्रमुख निर्देशों में ये शामिल हैं

टूटे दरवाजों, खिड़कियों की शीघ्र मरम्मत सभी छात्रावासों में मीनू चार्ट की अनिवार्य प्रदर्शनी संतुलित व गुणवत्तापूर्ण भोजन की नियमित व्यवस्था रसोई शौचालय एवं स्नानगृह की विशेष सफाई सार्थक ऐप पर विद्यार्थियों की प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करना।

प्रत्येक कमरे में कैमरों की अनिवार्य स्थापना

कलेक्टर ने साफ किया कि सभी कार्य आगामी एक सप्ताह में पूरे किए जाएं और अगली समीक्षा बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। बैठक में शहपुरा एसडीएम ऐश्वर्य वर्माए बजाग एसडीएम रामबाबू देवांगन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

पाँच माह से नहीं मिला मानदेय, अंशकालीन मजदूरों ने जनसुनवाई में लगाई गुहार

डिंडौरी। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी में कार्यरत अंशकालीन मजदूरों को पिछले पाँच माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया हैए जिससे उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। इसको लेकर मंगलवार को सभी अंशकालीन मजदूर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में आवेदन देकर शीघ्र भुगतान की मांग की। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि मजदूरों की तय मजदूरी दर पाँच हजार रुपए प्रतिमाह है। इसके बावजूद वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कार्य में लगे हुए हैं। मजदूरी न मिलने के कारण उन्हें घर का खर्चए बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन लगभग आठ किलोमीटर का आना.जाना करने वाले इन मजदूरों का कहना है कि बिना भुगतान के जीवन यापन करना बेहद मुश्किल हो गया है। जनसुनवाई में आवेदन सौंपते समय संतोषी परतेतीए राजकुमारी उईकेए रुक्मणि परस्तेए अनीता परस्तेए उर्मिला कुलस्तेए संतोषी नंदाए सीता नंदाए राधा नंदाए वर्षा यादव सहित अन्य मजदूर उपस्थित रहे। सभी ने जिला प्रशासन से निवेदन किया कि उनकी पाँच माह की लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान कराया जाएए ताकि उनके परिवारों का भरण.पोषण सुचारू रूप से हो सके और बच्चों की पढ़ाई भी बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

मूसरघाट में भूस्खलन से बढी राहगीरों की परेशानी

लगातार हो रही बरसात से सड़क में गिर रहा पहाड़ी का मलबा और पेड़

डिंडौरी। जिले में पिछले पांच दिनों से हो रही बरसात के चलते एक ओर जहां नदी नाले में उफान के कारण बाढ़ की स्थिति बनी रही वहीं पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन भी देखा जा रहा है। इसी कड़ी में डिंडोरी से शहडोल एवं अनूपपुर जिले को जोड़ने वाले मार्ग में भी भूस्खलन के चलते पहाड़ियों का मलवा और पेड़ सड़क में आ रहे हैंए जिससे वाहन चालकों समेत इस मार्ग से पैदल आने जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय से ग्राम नेवसा होकर शहडोल अनूपपुर को जोड़ने वाले इस मार्ग में मूसर घाट में भूस्खलन का दौर भी जारी है। सड़क में पेड़ और पहाड़ी का मलवा आने से दुर्घटना का अंदेशा भी बढ़ गया है। वहीं मार्ग में मिट्टी होने के कारण बारिष के दौरान कीचड सन जाता है और दोपहिया वाहनों की आवाजाही में परेशानी आ रही है। रविवार को बारिष के दौरान कई वाहन चालक मार्ग में गिरकर चोटिल होने की भी जानकारी सामने आई है।

रात के समय होती है अधिक परेशानी

उल्लेख है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ो की संख्या में दो पहिया चार पहिया वाहनों सहित अन्य बड़े वाहन भी आते जाते हैं। ऐसी स्थिति में वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का भी खतरा बन गया है। क्षेत्र के कुछ जागरूक लोगों द्वारा सड़क में गिरे पड़े पेड़ और मलवा को हटाकर आने.जाने का रास्ता तो बना दिया गया है लेकिन बारिश होने से भूस्खलन का दौर लगातार जारी है। इलाके के लोगों ने बतलाया कि दिन के समय में तो आना जाना किसी तरह हो जाता है लेकिन रात के समय अंधेरा होने के कारण दुर्घटना होने का डर सताता है। नेवसा समेत आसपास के गावों से भी अधिक संख्या में ग्रामीण भी डिंडौरी आते हैए और शाम को वापस लौट जाते है। इन्हें भी जान माल का खतरा बना रहता है।

पडरिया डोंगरी में सांसद निधि की सड़क का गबन, सरपंच की मनमानी से ग्रामीणों में आक्रोश, कलेक्टर से की शिकायत

डिंडोरी। जिले की जनपद पंचायत बजाग इन दिनों सरपंचए सचिव और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत व मनमानी के चलते सुर्खियों में है। प्रशासनिक नियंत्रण से बाहर होते जा रहे ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार की जड़ें गहराती जा रही हैं। हालात यह हैं कि पंचायत और संबंधित विभागों के अधिकारी अफसरशाही और कमीशनखोरी के बल पर भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण दे रहे हैंए जबकि जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने बैठे हैं। ताजा मामला जनपद मुख्यालय बजाग से महज एक किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पडरिया डोंगरी का है जहां ग्रामीणों और जागरूक युवाओं ने गंभीर अनियमितताओं की शिकायत जनसुनवाई में कलेक्टर से की है। आरोप है कि ग्राम पंचायत में सांसद निधि से स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य में भारी गड़बड़ी की गई है। वर्ष 2023.24 में नीम टोला में बनने वाली सीसी रोड को बिना किसी ग्रामसभा की अनुशंसा या स्थल परिवर्तन की प्रक्रिया अपनाए मनमाने तरीके से पडरिया डोंगरी में अंगूरी के घर के सामने बना दिया गया।

सूत्रों के अनुसारए इस सड़क का निर्माण कार्य लगभग 140 मीटर लंबा प्रस्तावित थाए लेकिन वास्तविकता में केवल 100 मीटर ही सड़क बनाई गई है। इसके बावजूद लगभग 3.75 लाख रुपए की राशि आहरित कर ली गई हैए जो कि परियोजना लागत का एक बड़ा हिस्सा है। यह भी सामने आया है कि उपयंत्री से भुगतान जारी कराने के लिए दबाव बनाया गया।यह संदेह गहराता जा रहा है कि सरपंचए सचिव और तकनीकी अमले की मिलीभगत से इस पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि जब कार्य स्थल बदला ही नहीं गया तो निर्माण कार्य दूसरे स्थान पर क्यों हुआ और अगर निर्माण हुआ है तो अधूरा क्यों छोड़ा गया।

खबर संक्षेप

पुल पार करते समय बहा युवक

नरसिंहपुर। गत दिवस जिला मुख्यालय में सुभाष और पाठक वार्ड को जोड़ने वाले सींगरी पुल को पार करते समय युवक नदी के तेज बहाव मे बह गया। मिली जानकारी के अनुसार जाकिर खान निवासी किसानी वार्ड बताया गया है प्रशासन एवं एनडीआरएफ युवक को खोजने मे जुटी हुई है।

प्रजापति समाज की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। गत दिवस महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती को लेकर प्रजापति समाज की बैठक श्री शंकर मंदिर में संपन्न हुई। इस बैठक में अनेक विषयों पर चर्चा करते हुए कमलेश प्रजापति को प्रजापति समाज का सर्वसम्मति से सरपंच नियुक्त किया गया। साथ ही 18 जुलाई को दोपहर 1 बजे से महाराजा दक्ष महाराज की जयंती बड़े पुल के समीप शंकर मंदिर में मनाई जावेगी बैठक में मेधावी छात्रों का सम्मान 60 साल से ऊपर वरिष्टों का सम्मान भंडारा प्रसादी जैसे कार्यक्रमों पर सहमति सभी ने दी।

बाढ़ पीड़ितों को वितरित किया भोजन

नरसिंहपुर। बीत दिनों से जिले मे हो रही वारिश के चलते कई स्थानों पर पानी भर गया जिससे जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। इसी क्रम में जिले के साईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 11 में विंध्यवासिनी माइनिंग वर्क एलएलपी द्वारा बाढ़ पीड़ितों को भोजन वितरित किया गया। ज्ञात हो कि माइनिंग कंपनी द्वारा जिले मे अनेकों अवसरों पर पीड़ति मानवता के लिए हमेशा तत्परता से कार्य किया जाता है।

अस्पताल से मां की छुट्टी मिलने के पहले ही मिलेगा जन्म प्रमाण पत्र

नरसिंहपुर। अब अस्पताल से मां की छुट्टी होने से पहले ही नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। यह निर्देश मध्यप्रदेश के मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म- मृत्यु) एवं आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी ऋषि गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को दिये हैं। आयुक्त श्री गर्ग ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र एक बेहद जरूरी दस्तावेज है। इसे आसानी से उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने दिशा निर्देश जारी किये हैं। इसके अनुसार अस्पताल में ही शिशु का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर मां को छुट्टी के पहले दे दिया जाये। उक्त जानकारी जिला रजिस्ट्रार (जन्म- मृत्यु) एवं जिला योजना अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु आवेदन की अंतिम तिथि आज

नरसिंहपुर। वर्ष 2025- 26 में आकांक्षा योजना अंतर्गत जिले के कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत एवं उत्तीर्ण अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थी जेईई, नीट एवं सीएलएटी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एमपी टास्क पोर्टल के माध्यम से 9 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नरसिंहपुर ने दी है।

गुरु के प्रति सम्मान और समर्पण का पर्व गुरु पूर्णिमा कल

तेंदूखेड़ा। पुराण महाभारत और अनेकों शास्त्रों के रचयिता महर्षि वेदव्यास के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला व्यास पूर्णिमा का पर्व आषाढ़ की पूर्णिमा को पूरे भारत में गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।यह हमारे सनातन की महत्वपूर्ण गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्ण और जीवन्त बनाये रखने वाला पर्व है। सर्वप्रथम व्यास जी ने अपने शिष्यों को वेद पुराण उपनिषद और अन्यान्य शास्त्रों की शिक्षा दी। उसी समय से आदिगुरु व्यास जी के जन्मोत्सव व्यास पूर्णिमा का यह पर्व गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। पौरोहित्य कर्मकाण्ड स्नातक आचार्य चतुष्टय प्रमोद पचौरी ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि गुरु हमारे जीवन के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। मनुष्यों में व्याप्त अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान रूपी प्रकाश से मानव जीवन को प्रकाशित करने वाले एकमात्र गुरु ही होते हैं। जीवन की उलझनों को दूर करके सुलझे हुए व्यक्तित्व के साथ आत्मबल मनोबल वृद्धि विवेक ज्ञान- चेतना आध्यात्म प्रगति और आत्मशक्ति को प्रदान करके धर्म अर्थ काम और मोक्ष आदि पुरुषार्थ चतुष्टय को प्रदान करने वाले एकमात्र गुरु ही होते हैं।

समय सीमा की बैठक में दिये निर्देश

पुल- पुलिया, सड़क- मार्गों व भवनों पर रखें निगरानीः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक दर्ज करें। कार्यालय प्रमुखों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए, जिससे सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में स्पेशल क्लोज वाले प्रकरणों का प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें, जिससे उन प्रकरणों का समय सीमा में निपटारा हो सके। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में उक्त निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पुलियो,मार्गों एवं भवनों पर रखें नजर

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में 50 दिवस के लंबित शिकायतों, विभागीय ग्रेडिंग तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में संतुष्टिपूर्वक की गई निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने इसके बाद जिले में हुई अतिवर्षा को देखते हुए पुल- पुलियो, सड़क- मार्गों एवं भवनों की स्थिति पर निगरानी रखने के निर्देश दिये। बैठक में निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, पीएमजीएसवाय, पीएचई, आरईएस विभाग सहित अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की क्षतिग्रस्त होने की संभावना होने पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिये, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न घटे। उन्होंने समस्त मैदानी अमले को अपने- अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर अतिवर्षा के संबंध में नियमित रूप से रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों, अस्पताल, पुल- पुलियो, सड़क- मार्ग इत्यादि की स्थिति पर निगरानी रखने को कहा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का कलेक्टर ने किया भ्रमण

जिले में हुई अतिवर्षा तथा बाढ़ की स्थिति से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान जिले के पुल- पुलियो, क्षतिग्रस्त मार्गों, नदियों के घाटों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन न करें, अत्याधिक आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाढ़ व पुल के ऊपर पानी होने की स्थिति में नदी- नाले पार न करें। उन्होंने मैदानी अमले को जिले में हो रही अतिवर्षा व बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिये। किसी भी प्रकार की घटना होने पर इसकी सूचना तत्काल देने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सोमवार को जिले के धमना रोड स्थित शेढ़ नदी पुल, जैथारी- इमलिया में शक्कर नदी पुल, गाडरवारा- तेंदूखेड़ा रोड स्थित नर्मदा नदी के ककराघाट, नर्मदा नदी के बरमान घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के सीईओ दलीप कुमार, एसडीएम, तहसीलदार तथा विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

स्कूलों के अवकाश घोषित

कलेक्टर विद्यार्थियों को होने वाली परेशानी, जोखिम एवं विद्यार्थियों के हित को दृष्टिगत रखते हुए 9 जुलाई को जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया है। अवकाश के कारण बाधित शैक्षणिक पाठ्यक्रम की पूर्ति एवं अन्य कार्य दिवसों में अतिरिक्त कालखंड लगाकर की जावेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में पिछले 48 घंटे से लगातार अतिवृष्टि जारी है तथा मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। बरगी बांध के गेट खुलने की वजह से विभिन्न नदियों के तटीय क्षेत्रों के साथ- साथ पुल- पुलियों पर जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसी मद्देनजर कलेक्टर द्वारा यह आदेश जारी किया है।

जिले में अब तक 18.20 इंच वर्षा दर्ज

अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 8 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 462.4 मिमी अर्थात 18.20 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 8 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 116.2 मिमी अर्थात 4.57 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 154 मिमी, गाडरवारा में 188 मिमी, गोटेगांव में 61 मिमी, करेली में 105 मिमी और तेंदूखेड़ा में 73 मिमी वर्षा आंकी गई है। 8 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 498 मिमी, गाडरवारा में 533, गोटेगांव में 387 मिमी, करेली में 471 मिमी और तेंदूखेड़ा में 423 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 162 मिमी अर्थात 6.38 इंच वर्षा हुई थी।

जनसुनवाई में आये 49 आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 49 आवेदन पत्रों की सुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों के आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उसके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई है, विभागीय अधिकारियों को उक्त आवेदन पत्रों का समय सीमा में निराकरण कर आवेदक को अवगत कराना होगा। इस दौरान जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्याएं सुनी व आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये।

समय का अर्थ होता है कालः मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

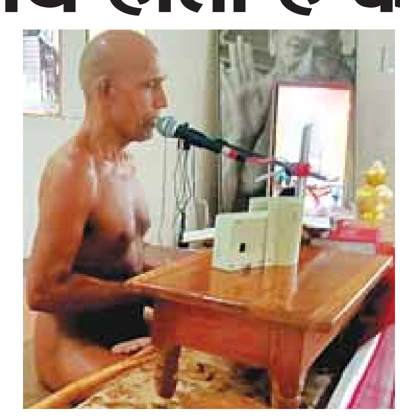

समय का अभिप्राय मात्र काल नहीं होता है, समय का अर्थ काल ही होता है आत्मा सार भी होता है। समय तो मिला, लेकिन समय का सदुपयोग करना नहीं सीख पाये। क्योंकि काल व्यतीत होने के बाद सिर्फ पछतावा होता है, अब पछताये, होत का, जब चिड़िया चुग गयी खेत। समय पर किसान ने बीज बोया परंतु बाडी नहीं लगाई, ना ही रखवाली की, चिडिया बीज चुगेगी ही, घडी सुधारने वाला हर जगह मिल सकता है पर कोई समय सुधारने वाला नहीं मिलता है। एक व्यक्ति वृक्ष के नीचे बैठा था, उससे लोगों ने पूछा की भैया क्या कर रहे हो, उसने कहा कि कुछ मत पूछो, मुझे समय ने बरबाद कर दिया। अब तुम क्या कर रहे हो। अब में समय को बर्बाद कर रहा हूॅ। उक्ताशय के विचार कंदेली स्थित जैन मंदिर जी विराजमान मुनि निर्दोष सागर जी महाराज ने अपने नियमित प्रवचन श्रृंखला में कहे। उन्होंने कहा कि क्या यह समझदारी है,कुछ लोग हैं जो समय को बर्बाद करते रहते हैं काम समझदारी से नहीं करते हैं। व्यक्ति का समय कब बदल जाये आप समझ नहीं पाते हैं। क्योंकि किसी ने उसे देखा नहीं है,जिसकी पैदाइश की खुशियों से आकाश गुंजित हो रहा था, थोडी देर बाद देखा कि वहां हा-हा कार मची है। कब किसका समय बदल जाये, वह समय पर आता है प्रत्येक कार्य समय से होता है समय के पहले या समय के बाद नहीं होता है। हर कार्य समय पर होना आवश्यक है, क्या आप घर के मुखिया होकर धर्मनिष्ठ, परिवार निष्ठ, न्यायप्रिय, कर्मठ इन सभी गुणों से परिपूर्ण हो, घर के मुखिया का वृक्ष के समान व्यवहार होना चाहिए,वृक्ष की जडे जमीन के अंदर रह कर वृक्ष के प्रत्येक अंग पत्ते, डाली, पूल को रस भेजते हैं यदि वृक्ष के जिस अंग को रस नहीं भेजा जाता है तो वह अंग वृक्ष का सूख जाता है प्रत्येक अंग को रस मिलता है तो वृक्ष पूल व पल देता है क्या आप अपने वंश वृक्ष को वृक्ष की तरह पालन पोषण करते हो, प्रत्येक सपल व्यक्ति, प्रत्येक व्यक्ति को खुश कर सकता है तो वह सपल व्यक्ति है व्यक्ति मकान तो बनाता है पर किसी के दिल पर मकान बनाकर देखो,स्वयं को हार कर या झुक कर, किसी को जिता देना भी एक कला है यदि गघरे को चोट लग जाये तो चोट को बाहर से ठीक करोगे या अंदर से चोट को ठीक करोगे।

अपने कर्त्तव्य के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और व्यवहार से बनती है पहचानः एसडीओपी

तेंदूखेड़ा

अधिकारी कर्मचारी आम व्यक्ति कोई भी हो यदि अपने कर्त्तव्य के प्रति समर्पण निष्ठा ईमानदारी और व्यवहार अच्छा हो तो समाज में वह सम्मान भी पाता है। और अपनी अलग पहचान भी बनाता है। उक्त विचार तेंदूखेड़ा अनुभाग में 21 महीनों तक अपनी सेवाएं देने वाले एस डी ओ पी मधुर पटैरिया ने विदाई समारोह के दौरान व्यक्त किए।श्री पटैरिया का स्थानांतरण जबलपुर सी एस पी के रुप में हुआ है। उन्होंने तेंदूखेड़ा क्षेत्र में मिले स्नेह सभी वर्गों के सहयोग की सराहना करते हुए अपने अनुभवों को साझा करते हुए स्पष्ट किया कि भूल चूक वश यदि किसी भी अधिकारी कर्मचारी को ठेस पहुंची हो तो क्षमा याचना करते हुए अपने कर्त्तव्य के प्रति सजग रहने की बात कही। होटल मधुवन में सादे समारोह पूर्वक संपन्न हुये इस विदाईभिनंदन समारोह में अनुभाग स्तर के लगभग सभी वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। वहीं तेंदूखेड़ा सुआतला बरमान चौकी प्रभारी सहित पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।इस मौके पर नवागत एस डी ओ पी का भी स्वागत किया गया। तेंदूखेड़ा नगर निरीक्षक सौरभ पटेल ने अपने थाने के अंतर्गत तथा सुआतला थाना प्रभारी बी एल त्यागी ने भी अपने स्टाप सहित श्री पटैरिया को शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाईभिनंदन किया तथा अपने अनुभव साझा करते हुए मिले मार्गदर्शन की सराहना की।इस मौके पर सिविल न्यायालय और राजस्व विभाग के अधिकारी और पत्रकार भी उपस्थित रहे। तथा सभी ने अपने अपने विचार रखते हुए विदा ले रहे अधिकारी के उज्जवल भविष्य दीर्घायु सुखमय जीवन की मंगल कामना की।संचालन ए एस आई शशांक दुबे के द्वारा किया गया।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा किया गया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक बहिष्कार और ग्राहक अधिकारों पर दी गई जागरूकता अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, द्वारा सोमवार को एक विशेष वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन युवा मोर्चा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन के निवास पर किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जबलपुर के संगठन मंत्री बृजेश जैन ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम, तथा ग्राहक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। हमारे संगठन का उद्देश्य सिर्फ उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे जरूरी विषयों पर भी समाज को जागरूक करना है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत की दिशा में हमारे द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस आयोजन में प्रमुख रूप से सौरभ जैन, अंकेश अग्रवाल, प्रखर दुबे, सतीश दुबे, मनोज साहू, पूरनलाल, मनीष ठाकुर की उपस्थिति रही

चारों तरफ पानी ही पानी बरमान और गाडरवारा सड़क मार्ग से आवागमन बंद

तेंदूखेड़ा

पिछले एक पखवाड़े से चल रही अनवरत बारिश से जहां नदी नाले उफान पर है वहीं आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में बरांझ और पांडाझिर नदी में बाढ़ का पानी बढ़ जाने के कारण डोभी और इमझिरा भामा तथा ककरा घाट पर नर्मदा नदी की बाढ़ के चलते पुल डूब जाने से गाडरवारा और बरमान तरफ जाने वाले सभी सड़क मार्ग बंद हो गये हैं।साथ ही आवागमन बाधित हो जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का तेंदूखेड़ा सहित प्रमुख मार्गों से संपर्क टूट गया है। कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में घरों कालोनियों में भी पानी भरने की जानकारी मिली है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार डोभी की गणेश कालोनी में भी पानी भरने से लोग परेशान देखे गए हैं।

तेज हवाओं से उड़े छप्पर

सोमवार की रात्रि में अचानक तेज हवाओं के कारण भामा सहित विभिन्न स्थानों से छप्पर उड़ने कच्चे मकानों की दीवालें गिरने की जानकारी मिली है। जहां तहां पेड़ गिर गये हैं तथा वारिस का पानी घुसने से घरों में रखा अनाज भींगने के समाचार मिले हैं।

सड़ने लगा सोयाबीन अरहर का बीज

हमारे प्रतिनिधि को किसानों ने बताया कि इस बार जो वारिस जो शुरू हुई है। अभी तक बंद होने का नाम नहीं तक नहीं ले पा रही है। अभी तक 423 मिमी बारिश हो चुकी है। मूंग फसल को काटने के तत्काल बाद से कुछ किसानों ने खेतों में सोयाबीन मक्का अरहर की बोनी कर दी थी और धान के रोपा भी लगा दिए थे। लेकिन लगातार वारिस के चलते खेतों में पानी भरने के कारण सोयाबीन अरहर की बीज खराब होने की जानकारी मिली है। मक्का फसल भी खराब होने की स्थिति में पहुंच गई है। वर्तमान में खेत लबालब भरे हुए हैं।